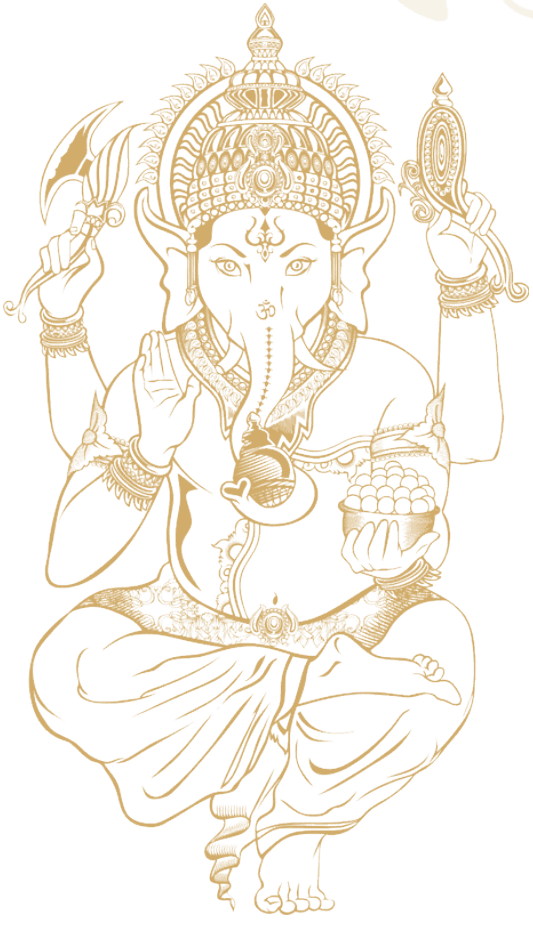

Abhishek Sharma

16 Jul 2000

10:05 AM

Badausa

Model: web-freekundliweb

Order No: 121724716

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**16/07/2000**
दिन	रविवार
जन्म समय	**10:05:00 घंटे**
इष्ट	11:34:57 घटी
स्थान	**Badausa**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	25:18:00 उत्तर
रेखांश	80:38:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:07:28 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	09:57:32 घंटे
वेलान्तर	-00:06:03 घंटे
साम्पातिक काल	05:34:51 घंटे
सूर्योदय	05:27:01 घंटे
सूर्यास्त	18:59:43 घंटे
दिनमान	13:32:42 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	00:05:32 कर्क
लग्न के अंश	00:26:59 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**पूर्वाषाढ़ा - 4**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	वैधृति
करण	बव
गण	मनुष्य
योनि	वानर
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	श्वान
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ढा-ढालचंद
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	00:26:59	326:15:44	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	राहु	---
सूर्य			कर्क	00:05:32	00:57:13	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	चंद्र	मित्र राशि
चंद्र			धनु	25:52:11	11:48:05	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	सम राशि
मंगल		अ	मिथु	25:48:26	00:39:17	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	केतु	शत्रु राशि
बुध	व		मिथु	16:36:30	00:07:11	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	स्वराशि
गुरु			वृष	09:18:09	00:11:19	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			कर्क	09:39:03	01:13:46	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	शत्रु राशि
शनि			वृष	04:16:49	00:05:26	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	मित्र राशि
राहु	व		कर्क	00:45:21	00:00:01	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	मंगल	शत्रु राशि
केतु	व		मक	00:45:21	00:00:01	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	25:58:37	00:02:04	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	---
नेप	व		मक	11:38:04	00:01:35	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	मंगल	---
प्लूटो	व		वृश्चि	16:37:14	00:01:03	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	---
दशम भाव			मिथु	00:21:48	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:38

लग्न-चलित

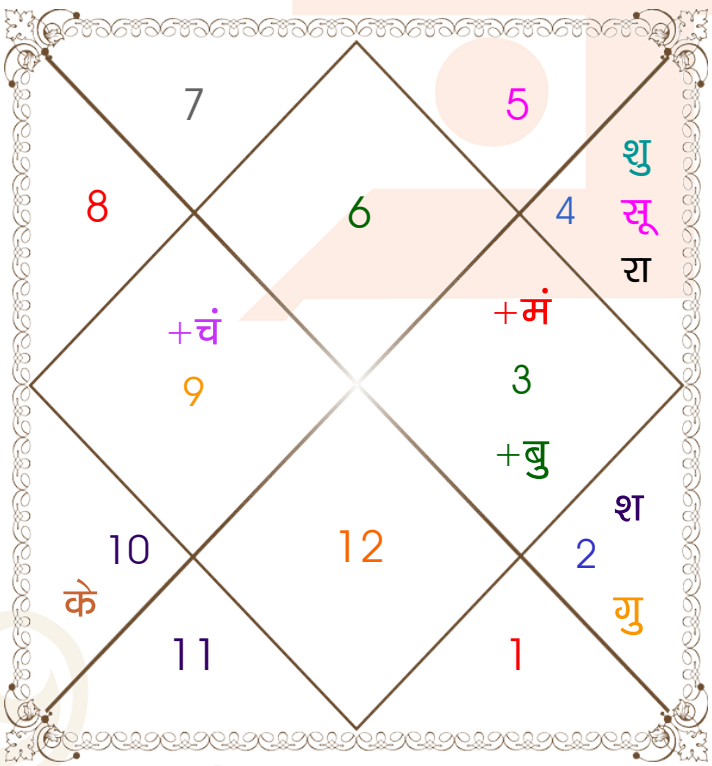

चन्द्र कुंडली

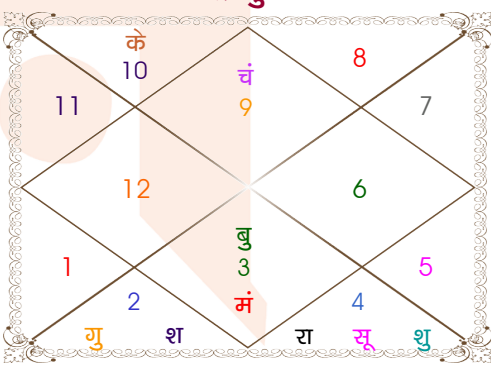

नवमांश कुंडली

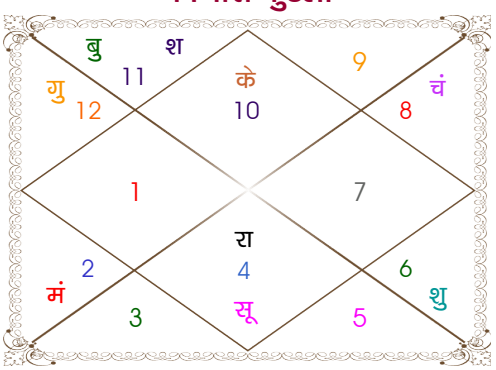

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 1 वर्ष 2 मास 10 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
16/07/2000		25/09/2001		26/09/2007		25/09/2017		25/09/2024	
25/09/2001		26/09/2007		25/09/2017		25/09/2024		26/09/2042	
	00/00/0000	सूर्य	13/01/2002	चंद्र	26/07/2008	मंगल	22/02/2018	राहु	08/06/2027
	00/00/0000	चंद्र	15/07/2002	मंगल	24/02/2009	राहु	12/03/2019	गुरु	01/11/2029
	00/00/0000	मंगल	20/11/2002	राहु	26/08/2010	गुरु	16/02/2020	शनि	07/09/2032
	00/00/0000	राहु	14/10/2003	गुरु	26/12/2011	शनि	27/03/2021	बुध	27/03/2035
	00/00/0000	गुरु	01/08/2004	शनि	27/07/2013	बुध	24/03/2022	केतु	14/04/2036
	00/00/0000	शनि	14/07/2005	बुध	26/12/2014	केतु	20/08/2022	शुक्र	15/04/2039
	16/07/2000	बुध	21/05/2006	केतु	27/07/2015	शुक्र	20/10/2023	सूर्य	08/03/2040
बुध	26/07/2000	केतु	26/09/2006	शुक्र	27/03/2017	सूर्य	25/02/2024	चंद्र	07/09/2041
केतु	25/09/2001	शुक्र	26/09/2007	सूर्य	25/09/2017	चंद्र	25/09/2024	मंगल	26/09/2042

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
26/09/2042		26/09/2058		25/09/2077		26/09/2094		26/09/2101	
26/09/2058		25/09/2077		26/09/2094		26/09/2101		00/00/0000	
गुरु	13/11/2044	शनि	29/09/2061	बुध	22/02/2080	केतु	22/02/2095	शुक्र	26/01/2105
शनि	27/05/2047	बुध	08/06/2064	केतु	18/02/2081	शुक्र	23/04/2096	सूर्य	26/01/2106
बुध	01/09/2049	केतु	17/07/2065	शुक्र	20/12/2083	सूर्य	29/08/2096	चंद्र	27/09/2107
केतु	08/08/2050	शुक्र	16/09/2068	सूर्य	26/10/2084	चंद्र	30/03/2097	मंगल	26/11/2108
शुक्र	08/04/2053	सूर्य	29/08/2069	चंद्र	27/03/2086	मंगल	26/08/2097	राहु	27/11/2111
सूर्य	25/01/2054	चंद्र	30/03/2071	मंगल	24/03/2087	राहु	14/09/2098	गुरु	28/07/2114
चंद्र	27/05/2055	मंगल	08/05/2072	राहु	11/10/2089	गुरु	20/08/2099	शनि	26/09/2117
मंगल	02/05/2056	राहु	15/03/2075	गुरु	17/01/2092	शनि	29/09/2100	बुध	17/07/2120
राहु	26/09/2058	गुरु	25/09/2077	शनि	26/09/2094	बुध	26/09/2101		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 1 वर्ष 2 मा 10 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में कन्या लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश के साथ-साथ कन्या राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इन संयोजनों की आकृति आपके जीवन के प्रौढ़ावस्था तक हृष्ट पुष्ट शरीर से ज्यादा आनन्दप्रद परिवेश की स्थापना करता है।

परंतु आप यह अंगीकृत नहीं करते कि स्वास्थ्य ही सर्वोतम धन है। आप अत्यंत ही धनलोलुप हो एवं सदैव ही अत्यधिक धन प्राप्त करना चाहते हो। आप इस निर्देशन का अनुभव करते है कि आपकी छोटी से महत्वकांक्षा अंतिम क्षण तक अवश्य ही पूर्ण होगी। किंतु आपके दिमाग में एक महत्वपूर्ण धारणा यह है कि आपका भविष्य ग्रहों के प्रभाव से निश्चय ही वर्त्तमान स्थिति को उन्नति पूर्ण एवं परिवर्तनशील बनायेगा। अस्तु आप अनिवार्य रूप से निरूत्साहित नही है। आपके जीवन में अनेकों वार उत्थानपतन के अनुभव प्राप्त हुए हैं परंतु आप सभी खेल व्यवसाय की वस्तु स्थिति का मूल्यांकन कर चुके हैं। बल्कि आप अपने मस्तिष्क को इस प्रकार व्यवस्थित कर लो कि उपयुक्त समय आने पर अकस्मात् मात्र गर्त्त से ऊपर हो कर उन्नति का अनुभव कर सकेंगे और आप मुश्किल से किसी प्रकार जीवन निर्वाह करना स्वीकार करेंगे। आप अस्थिर बुद्धि के पुरूष हैं। आप एकाग्रता पूर्वक अपने संबंधित विषय वस्तुओं को परिवर्तित या स्थानांतरित करेंगे। आपको सर्वप्रथम गंभीरता पूर्वक निर्णय लेना होगा कि किस प्रकार इस विधान को अंगीकृत किया जाए। आपके लिए प्रथम दृष्टिकोण ही उत्तम निर्णय प्रमाणित होगा।

सीधे लम्बे आकृति के तिरछी भौंहों से युक्त आपके व्यक्तिगत स्वरूप का प्रदर्शन कराता हैं। बल्कि आप कार्य में अग्रसर रहते हैं, परंतु आप अड़ियल प्रवृति के अंहकार से युक्त पुरूष है। आप सदैव ही दूसरों के समक्ष असत्यवादी एवं निम्न स्तरीय प्रमाणित होते हैं। अन्ततोगत्वा आप अति कुशाग्रबुद्धि के प्राणी हैं। आप अन्य व्यक्तियों के स्तर का अपने को भी स्वीकृत करते हो। आप अपनी अंतहीन आलोचना होते देखते हो तो अधीरता पूर्वक इसे सहन नहीं कर पाते हो। जिसकी वजह से आप बहुत लोगों की ओर से अपने को विमुख कर लेते हो।

आपको अपने अधीनस्थ कार्यरत व्यक्तियों से तथा अपने कतिपय मित्रों से सतर्क रहना होगा। क्योंकि ये लोग आपके जीवन के गुप्त विषय को जानकर आपकी छवि एवं आपके व्यक्तित्व को धूमिल करने के लिए अथक परिश्रम कर सकते हैं। कुछ व्यक्ति आपके साथ वाद-विवाद करके आपके विरूद्ध समाज में आपको नग्न कर सकते हैं। अतः उत्तम तो यह है कि आप किसी भी प्रकार की संभावित घटनाओं के प्रति सतर्क रहें तथा किसी भी प्रकार के मित्र अथवा नौकरों के चयन हेतु आपको किसी के भी स्वभाव, प्रकृति की जानकारी प्राप्त कर लेनी चाहिए। आप मिथुन लग्न राशि के कार्य व्यवसाय के समान ही अपना कार्य व्यवसाय भी निश्चित कर सकते हैं। आप अपने कार्य व्यवसाय के अन्तर्गत शेयर ब्रॉकर, एकाउन्टेन्सी, वकालत, अभियंत्रिकी कार्य के साथ-साथ रसायनिक, व्यवसायिक, फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर्स, शैक्षणिक एवं पराविद्या से संबंधित ज्योतिष, ध्यान, योगादि कार्य कर सकते हैं। यदि आपमें कुशाग्र बुद्धिमत्ता हो तथा बाद संवाद अर्थात् पत्रकारिता संबंधित कार्य अच्छा लगे तो आप एकाग्रता पूर्वक एक अच्छे क्षेत्रीय स्तर के नेता हो सकते हैं।

सामान्यतः आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु वृद्धावस्था के कारण आपमें मतखिन्नता (पागलपन) जैसी प्रवृति हो सकती है। क्योंकि आप में अति मद्यपान की आदत पाई जाती है। अतएव आप किसी भी प्रकार की नशा आदि से खासकर मद्यपान से परहेज करें। आप अतिरिक्त खाद्य-पदार्थों में निरामिष भोजनादि ग्रहण करें ताकि आपकी पाचन शक्ति एवं नस संबंधी शक्ति में क्षीणता न आ सके। अन्यथा आपके पेट की गड़बड़ी से दस्तरोग तथा पीठ में दर्द की आशंका उत्पन्न हो सकता है। संप्रति आपको निरंतर छोटे मोटे रोग चोट की आशंका बनती है। अस्तु आपको सावधानी पूर्वक वाहन संचालन करना चाहिए।

आपके लिए अंको में 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल एवं भाग्यशाली प्रमाणित हैं। परंतु अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं। अतः इस का त्याग करें।

आपके लिए रंगों में सफेद हरा, पीला, एवं सुग्गापंखी रंग अनुकूल है। परंतु नीला, लाल, एवं काला रंग सर्वथा त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।